04-04-2022

बामियान बुद्ध

समाचार पत्रों मे क्यों ?

अफगानिस्तान में तालिबान शासन ने दुनिया को मेस अयनक में बौद्ध विरासत की रक्षा और संरक्षण के अपने इरादे का आश्वासन दिया।

त्वरित मुद्दा ?

- पहले के तालिबान शासन ने मेस अयनाक (2001) में कई बौद्ध संबंधित प्राचीन मूर्तिकला और स्थापत्य खजाने को नष्ट कर दिया था। तालिबान शासन के सत्ता में वापस आने पर इसने स्वाभाविक रूप से कई लोगों के बीच भय पैदा कर दिया।
- हालांकि, शासन ने विविध बौद्ध विरासत के संरक्षण के लिए दुनिया को अपने इरादे का आश्वासन दिया है। इसके पीछे प्राथमिक कारणों में से एक देश में निवेश सुनिश्चित करना है क्योंकि सत्ता में आने के बाद से यह शासन आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- बामियान घाटी, हिंदू कुश पहाड़ों में, बामियान नदी के किनारे स्थित है, और यह प्रारंभिक रेशम मार्गों का एक प्रमुख नोड था, जो वाणिज्यिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान दोनों के केंद्र के रूप में उभर रहा था।
- कहा जाता है कि बलुआ पत्थर की चट्टानों से उकेरी गई बामियान बुद्ध की मूर्तियाँ 5 वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व की हैं और कभी दुनिया में सबसे ऊंची खड़ी बुद्ध थीं।
- ये मूर्तियाँ गुप्त, ससैनियन और हेलेनिस्टिक कलात्मक शैलियों के एक आदर्श मिश्रण के उदाहरण थीं।
- स्थानीय लोगों द्वारा बुलाए गए सालसाल और शमाना (क्षेत्र की सबसे ऊंची बुद्ध प्रतिमाओं में से दो) को 2001 में तालिबान शासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था।

अन्य प्रमुख तथ्य ?

गांधार कला

- गांधार शैली को जमी -बौद्ध शैली भी है। सबसे अधिक विकास कुषाण काल घ्में हुआ। इस काल की विद्या बौद्ध परंपरा से ली गई दौलत दौलत का निर्माण-रोमन था। उदाहरण के लिए बौद्घ के बाल युक्त शैली को बनाए रखा गया है। स्टाइल की तरह सुंदर जैसे कि -
- गंधार शैली की बुद्ध में प्रदूषण देवता एपोलो से मिलते-जुलता है। यह कैसा दिखता है 'टोगा' जैसा है। सिन ई. की शती में गांधार कला के उदाहरण हद्द और जू में हैं। ये कला की दृष्टि से उत्कृष्ट हैं I हड्डा से खराब होने और देर से आने वाली सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी।
- गांधार कला भारत में भी ठुठु भगवान् (या शुद्ध) कला का केंद्र। दृश्य- विश्लेषण के दृश्य-विश्लेषण के दृश्य-विश्लेषण के दृश्य दृश्घ्य दृश्य-विस्तरण के लिए, दर्ज करने के लिए है।
- इस कला का उपयोग करने के बाद, बोधिसत्वों, बुद्ध की मुद्राचक्र, अभय मुद्रांक, मुद्रा मुद्रा और वरद मुद्रा आदि से अनेक मिथ्या बोधगम्य।

- 2003 में, यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों की सूची में बामियान बुद्धों के अवशेषों को शामिल किया।
- उनके विनाश के 20 साल पूरे होने पर, 9 मार्च, 2021 को, साल्सल की मूर्ति को 'फिर से बनाया गया' – एक 3D प्रक्षेपण को एल्कोव पर बनाया गया था जहाँ वह खड़ा था।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न – निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए –

1. स्थानीय लोगों द्वारा बुलाए गए सालसाल और शमाना (क्षेत्र की सबसे ऊंची बुद्ध प्रतिमाओं में से दो) को 2001 में तालिबान शासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था।
2. 2003 में, यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों की सूची में बामियान बुद्धों के अवशेषों को शामिल किया।
3. उनके विनाश के 20 साल पूरे होने पर, 9 मार्च, 2021 को, साल्सल की मूर्ति को 'फिर से बनाया गया' – एक 3D प्रक्षेपण को एल्कोव पर बनाया गया था जहाँ वह खड़ा था।

कूट :

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

मुख्य परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न–1 – युद्धों और नागरिक संघर्षों से तबाह हुए उन क्षेत्रों में समृद्ध विरासत की रक्षा और संरक्षण करने का समग्र उद्देश्य दुनिया कैसे कर सकता है? चर्चा करे –

जीन एडिटिंग

समाचार पत्रों मे क्यों ?

हाल ही में सरकार ने जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) के समक्ष बोझिल 'GMO' (आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव) विनियमन के बिना जीनोम संपादित पौधों की अनुमति दी है।

त्वरित मुद्दा ?

- सरकार ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के नियम 7-11 से 'साइट डायरेक्टेड न्यूक्लीज' (SDN) 1 और 2 जीनोम को छूट दी है, इस प्रकार जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) के माध्यम से इस प्रकार की GM फसलों के अनुमोदन हेतु एक लंबी प्रक्रिया से बचने की अनुमति मिलेगी।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (IBSC) को अब यह प्रमाणित करने का कार्य सौंपा जाएगा कि जीनोम एडिटिंग वाली फसल किसी भी विदेशी डीएनए से रहित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- जीन एडिटिंग (जिसे जीनोम एडिटिंग भी कहा जाता है) प्रौद्योगिकियों का एक समुच्चय है जो वैज्ञानिकों को एक जीव के डीएनए (DNA) को बदलने की क्षमता उपलब्ध कराता है।
- ये प्रौद्योगिकियाँ जीनोम में विशेष स्थानों पर आनुवंशिक सामग्री को जोड़ने, हटाने या बदलने में सहायक होती हैं।
- उन्नत शोध ने वैज्ञानिकों को अत्यधिक प्रभावी क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड पैलिंड्रोमिक रिपीट (CRISPR) से जुड़े प्रोटीन आधारित सिस्टम विकसित करने में मदद की है। यह प्रणाली जीनोम अनुक्रम में लक्षित हस्तक्षेप को संभव बनाती है।
- इस युक्ति ने पादप प्रजनन में विभिन्न संभावनाओं को उजागर किया है। इस प्रणाली की सहायता से कृषि वैज्ञानिक अब जीन अनुक्रम में विशिष्ट लक्षणों को समाविष्ट कराने हेतु जीनोम को एडिट/संपादित कर सकते हैं।
- एडिटिंग की प्रकृति के आधार पर संपूर्ण प्रक्रिया को तीन श्रेणियों में बाँटा गया है- SDN1, SDN2 और SDN3

अन्य प्रमुख तथ्य ?

जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति

- यह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तहत कार्य करती है।
- यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से अनुसंधान एवं औद्योगिक उत्पादन में खतरनाक सूक्ष्मजीवों और पुनः संयोजकों के बड़े पैमाने पर उपयोग से जुड़ी गतिविधियों के मूल्यांकन हेतु उत्तरदायी है।
- समिति प्रायोगिक क्षेत्र परीक्षणों सहित पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों और उत्पादों से संबंधित प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिये भी जिम्मेदार है।
- GEAC की अध्यक्षता MoEF&CC का विशेष सचिव/अतिरिक्त सचिव करता है और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के एक प्रतिनिधि द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है।

- साइट डायरेक्टेड न्यूक्लीज (SDN) 1 विदेशी आनुवंशिक सामग्री के प्रवेश के बिना ही छोटे सम्मिलन/विलोपन के माध्यम से मेजबान जीनोम के क्छ। में परिवर्तन का का सूत्रपात करता है।
- SDN2 के तहत एडिटिंग में विशिष्ट परिवर्तनों की उत्पत्ति हेतु एक छोटे DNA टेम्पलेट का उपयोग करना शामिल है। इन दोनों प्रक्रियाओं में विदेशी आनुवंशिक सामग्री शामिल नहीं होती है और अंतिम परिणाम

पारंपरिक नस्ल वाली फसल की किस्मों के समरूप ही होता है।

- SDN3 प्रक्रिया में बड़े DNA तत्त्व या विदेशी मूल के पूर्ण लंबाई वाले जीन शामिल होते हैं जो इसे आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों (GMO) के विकास के समान बनाता है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न - निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए -

1. जीन एडिटिंग (जिसे जीनोम एडिटिंग भी कहा जाता है) प्रौद्योगिकियों का एक समुच्चय है जो वैज्ञानिकों को एक जीव के डीएनए (DNA) को बदलने की क्षमता उपलब्ध कराता है।
2. ये प्रौद्योगिकियाँ जीनोम में विशेष स्थानों पर आनुवंशिक सामग्री को जोड़ने, हटाने या बदलने में सहायक होती हैं।
3. उन्नत शोध ने वैज्ञानिकों को अत्यधिक प्रभावी क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड पैलिंड्रोमिक रिपीट (CRISPR) से जुड़े प्रोटीन आधारित सिस्टम विकसित करने में मदद की है। यह प्रणाली जीनोम अनुक्रम में लक्षित हस्तक्षेप को संभव बनाती है।

कूट :

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

मुख्य परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न-1 - जीन-एडिटिंग तकनीक की व्याख्या करें? भारतीय संदर्भ में जीनोमिक्स क्रांति से जुड़े लाभों और चुनौतियों पर चर्चा करें।